विश्वविद्यालय एवं विभाग :

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का प्रारंभ एक राज्य विश्वविद्यालय के रूप में वर्ष 1983 में हुआ ,तदुपरांत वर्ष 2009 में केंद्रिय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप किया गया वर्तमान में भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों से लगभग 7000 विद्यार्थी अध्ययनरत है | इस विश्वविद्यालय में ना केवल अकादमिक कार्य को सफलता पूर्वक संचालित किया अपितु समाज कल्याण के कार्यों में भी अपनी सेवाओं का विस्तार किया है|

शिक्षा विभाग भारतीय शिक्षा के सशक्त और प्रबुद्ध नेताओं के रूप में विकसित करने के लिए और छात्रों की सर्वोतम संभावनाओं को सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है | शिक्षा विभाग के पास भावी शिक्षकों और शिक्षक- शिक्षकों की उन्नति के लिए सक्षम और संवेदनशील शिक्षकों की टीम है जो की एक वास्तविक बहु सांस्कृतिक शैक्षिक वातावरण में विद्यार्थियो में ज्ञान का उच्च मानक, व्यवशायिक कौशलों, सांस्कृतिक, समझ, सामाजिक उत्तरदायित्व,सहक्रियात्मक प्रगति स्थापित करने के लिए कटिबद्ध है |

अवधारणा: छत्तीसगढ़ एक हिंदी भाषाई राज्य है| यहाँ प्राथमिक स्तर पर मात्र भाषा और क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण होता है, जब ये विद्यार्थी उच्च प्राथमिक कक्षाओं में जाते है, तो उनका शिक्षण कार्य हिंदी भाषा में होता है, तब उनके पास शब्द भंडार तो पर्याप्त होते है परन्तु व्याकरणगत अशुद्धि के कारण जैसे करक, क्रिया,समास लिंग वाक्यरचना की अशुद्धियों , के कारण विद्यार्थी का भाषा ज्ञान और भाषा का विकास दोनों ही प्रभावित होता है| अतः यह अति आवश्यक हो जाता है की विद्यार्थिओं के व्याकरण सम्मत ज्ञान और प्रयोग पर बल दिया जाए, जिससे विद्यार्थिओं का भाषा ज्ञान और हिंदी भाषा के विकास का मार्ग प्रशस्त हो |

Under the Pandit Madan Mohan Malviya National Mission on Teachers and Teaching (PMMMNMTT) Scheme of MHRD, शिक्षा विभाग राज्य के उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थिओं के ज्ञान संवर्धन के लिए हिंदी-व्याकरण पर स्व-अधिगम सामग्री के विकास और वितरण की परियोजना तैयार की है.जो की पूरे वर्ष में होगी,यह तीन सोपानों में पूर्ण होगी यह इस कार्यशाला का प्रथम चरण है|

स्व-अधिगम सामग्री

स्व-अधिगम सामग्री ऐसी सामग्री है जिसका निर्माण विद्यार्थिओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर किया जाता है| यह पूर्णतः विद्यार्थी केन्द्रित होती है इस सामग्री का उपयोग सभी प्रकार के विद्यार्थी कर सकते है यह सामग्री शैक्षिक तकनीति और शैक्षिक मनोविज्ञान के सिद्धांतों पर आधारित होती इसमें विषय वस्तु को छोटे और पूर्ण पदों में इस प्रकार से समायोजित किया जाता है कि विद्यार्थी स्वयं ही बिना शिक्षक की मदद से सीख जाता है इसमें विद्यार्थी स्व गति से अध्ययन करते है| इस सामग्री में स्व अभिप्रेरणा मिलती है जो विद्यार्थी को आगे बढाती है साथ ही साथ विद्यार्थी के अधिगम का मुल्यांकन भी होता जाता है और प्रतिपुष्टि मिलती है अतः यह अधिगम की बहुत ही सहज और सरल व्यवस्था है

मुख्य संरक्षक

महामहिम कुलपति महोदया

प्रो. अंजिला गुप्ता

संरक्षक

कुलसचिव प्रो.शैलेन्द्र कुमार

संयोजक

डॉ. सी. एस. वझलवार

समन्वयक

बसंत कुमार

प्रतिभागी: हिंदी-भाषा विद्यालयी-शिक्षक/सहायक प्राध्यापक(हिंदी-भाषा)/विशेष-शिक्षक(हिंदी-भाषा)/शिक्षक प्रशिक्षक(हिंदी-भाषा)

प्रमुख तिथियाँ :

कार्यशाला दिनांक: 16-17 *अक्टूबर* , 2019

पंजीकरण: 14 *अक्टूबर* , 2019

इस कार्यशाला में किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं है कार्यशाला में पंजीकरण पहले आने वाले 30 प्रतिभागिओं का होगा|

आवास:

आवास की सुविधा साधारण शुल्क पर पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जायगी|

पंडित मदन मोहन मालवीय अभियानशिक्षक और शिक्षण , योजना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत (TEACHING LEARNING MATERIAL DEVELOPMENT)

उच्च प्राथमिक स्तर के लिए हिंदी भाषा पर स्व-अधिगम सामग्री के निर्माण हेतु प्रथम दो दिवसीय कार्यशाला (हिंदी-व्याकरण)

अक्टूबर 16-17 2019

पंजीकरण फार्म

1. नाम : .....
2. संस्था का नाम :
   .....
3. पद : .....
4. ई मेल : .....
5. मोबाईल नंबर .: .....
6. पत्र व्यव्हार का पता :
   .....
7. आवासीय सुविधा : .....

दिनांक : प्रतिभागी के हस्ताक्षर

ध्यान दें :

- कृपया 14 अक्टूबर 2019 तक विधिवत भरे गये फॉर्म की स्कैन की हुई प्रति भेजें
- पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रतिभागिओं के नाम की सूचि को अंतिम स्वरुप दिया जायगा .

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे -

डॉ. सी. एस. वझलवार ,

संयोजक

बसंत कुमार

समन्वयक

मोबाईल नंबर: 7415399673/ 94790264959

ई मेल Id- ggvpmmmnmtt@gmail.com,krishnapanditji7@gmail.com